

गैर-सरकारी गैर-वित्तीय पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के वित्त, 2013-14*

वर्ष 2013-14 में चुनिंदा गैर-सरकारी गैर-वित्तीय सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के सकल निष्कर्षों से ज्ञात होता है कि प्रमुख पैरामीटरों की वृद्धि दर वर्ष 2012-13 की तुलना में धीमी रही है। वर्ष 2013-14 में ब्याज, कर, मूल्यहास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पूर्व आय में वृद्धि तथा निवल लाभ घट गया है। लाभ-मार्जिन और इक्विटी पर प्रतिफल वर्ष 2013-14 के अधिकांश हिस्से में कम हो गया। कंपनियों का लीवरेज लगातार बढ़ा है तथा ब्याज-कवरेज-अनुपात में गिरावट की प्रवृत्ति बनी रही। कंपनियों द्वारा बाहरी स्रोतों के माध्यम से जुटाई गई निधि बढ़ी है। स्थिर आस्ति-निर्माण के लिए निधि का कम हिस्सा इस्तेमाल किया गया जबकि गैर-चालू निवेश में लगाई गई निधि का हिस्सा अधिक था।

इस लेख में चुनिंदा 4388 गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के अप्रैल 2013 से मार्च 2014¹ की अवधि के उनके लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों पर आधारित वित्तीय वर्ष 2013-14 के वित्तीय निष्पादन प्रस्तुत किए गए हैं। कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची VI में किए गए संशोधन जो 2011-12 से लागू किए गए थे, से वित्तीय विवरण को तैयार करने के फार्मेट में काफी परिवर्तन आ गया, खासतौर से कंपनियों द्वारा तैयार किए जाने वाले तुलनपत्र में। वर्तमान अध्ययन में तीन वर्ष की अवधि अर्थात् 2011-12 से 2013-14 के आंकड़ों का विश्लेषण संशोधित फार्मेट में किया गया है। डाटा को विस्तारपूर्वक रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर दिया गया है। हाल में जारी चुनिंदा 4388 कंपनियों के आंकड़ों में समस्त एनजीएनएफ

* डीएसआइएम, भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई के कंपनी वित्त प्रभाग द्वारा तैयार किया गया। पिछले वर्ष के अध्ययन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन जून 2014 अंक का संदर्भ लें। वर्तमान अध्ययन में 1659 नई कंपनियों को शामिल किया गया है, साथ ही पिछले अध्ययन की 2729 कंपनियों को भी संयुक्त रूप से रखा गया है, जिससे पिछले वर्ष के लेख के आंकड़े बदल गए होंगे। नमूने में कुछ कंपनियों के आंकड़े एकार्ड फिनेटेक प्रा.लि. से लिए गए हैं।

¹ कंपनियों के मामले में, जिन्होंने अपने लेखा-वर्ष, बढ़ा या घटा दिए हैं उनकी आय, व्यय तथा समायोजन लेखा के आंकड़ों को वार्षिक बना दिया गया है। लेकिन तुलनपत्र के आंकड़े उसी प्रकार रखे गए हैं जैसाकि कंपनियों के वार्षिक लेखों में दिए गए हैं। चुनिंदा कंपनियों के वित्तीय निष्पादन के विश्लेषण इन सीमाओं के अधीन किए गए हैं।

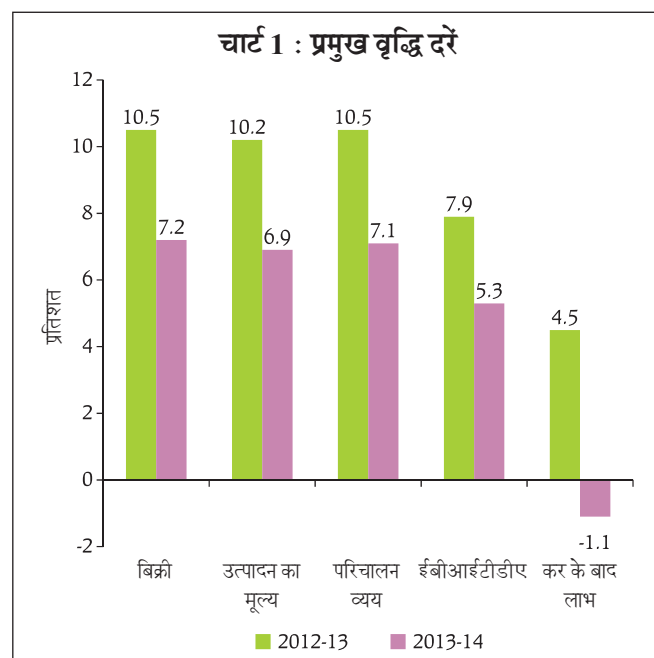
सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के 31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार 32 प्रतिशत जनसंख्या चुकता पूंजी (पीयूसी) (कंपनी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अनंतिम आकलन) को हिसाब में लिया गया है।

1. बिक्री वृद्धि घटी और निवल लाभ कम हुआ

1.1 चुनिंदा एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के निष्पादन वर्ष 2013-14 में कम हुए हैं। बिक्री वृद्धि तथा परिचालन लागत 2013-14 में कम हुए हैं जो मांग का कम होना दर्शाता है (विवरण 1 और चार्ट 1)। ब्याज, कर, मूल्यहास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पूर्व आमदनी में वृद्धि 5.3 प्रतिशत कम थी जिसकी तुलना में पिछले वर्ष 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। 2013-14 में निवल लाभ (पीएटी) 1.1 प्रतिशत कम हो गया जो पिछले वर्ष 4.5 प्रतिशत बढ़ गया था।

1.2 बिक्री के प्रतिशत के रूप में प्रमुख व्यय का हिस्सा यह दर्शाता है कि 'कच्चे माल' पर व्यय अध्ययन अवधि अर्थात् 2011-12 से 2013-14 के दौरान लगातार घटा है। जबकि दूसरी ओर, 'स्टाफ लागत' और ब्याज संबंधी व्यय इस अवधि में लगातार बढ़े हैं (सारणी 1)।

1.3 छोटी बिक्री-आकार² की कंपनियां अर्थात् ऐसी कंपनियां जिनकी बिक्री ₹1 बिलियन से कम है' वर्ष 2012-13 तथा



² बिक्री-आकार वर्गीकरण चालू वर्ष अर्थात् 2013-14 में कंपनियों की बिक्री पर आधारित है।

सारणी 1 : ऐसी प्रमुख मदें जिनका बिक्री में हिस्सा रहा

मद	(प्रतिशत)		
	2011-12	2012-13	2013-14
कच्चा माल	56.6	56.1	54.7
स्टाफ लागत	7.1	7.4	7.9
ब्याज व्यय	3.4	3.7	4.0
अन्य आय	2.0	2.1	2.2

2013-14 दोनों वर्षों में उनकी बिक्री तथा परिचालनगत लाभ घट गए हैं। जिन कंपनियों की बिक्री 1 से 5 बिलियन रुपए के बीच में थी उनके निवल लाभ दोनों वर्षों में कम हुए हैं। यहां तक कि बड़ी बिक्री-आकार की कंपनियों (जिनकी बिक्री 10 बिलियन रुपए और उससे अधिक है) की बिक्री तथा निवल लाभ पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2013-14 में कम हुए हैं।

1.4 निर्माण क्षेत्र में दोनों वर्षों में बिक्री तथा निवल लाभ में कमी हुई है। सेवा क्षेत्र में परिचालन व्यय बढ़ जाने से ईबीआईटीडीए में गिरावट आ गई। बिजली, गैस, बाष्प तथा वातानुकूलन आपूर्ति से जुड़ी कंपनियों के 2013-14 में ईबीआईटीडीए तथा निवल लाभ में वृद्धि हुई है (विवरण 1)।

1.5 विनिर्माण क्षेत्र में 2013-14 में विभिन्न उद्योगों का निष्पादन मिला-जुला रहा। 'रसायन और रसायन उत्पाद' तथा 'विद्युत मशीनरी एवं उपकरण' उद्योगों की बिक्री 2012-13 की तुलना में 2013-14 में सामान्य प्रवृत्ति के बावजूद बढ़ी है। 'विद्युत मशीनरी एवं उपकरण' तथा 'मशीनरी और उपस्कर' उद्योग में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2013-14 में निवल लाभ में वृद्धि हुई है। 'फार्मास्युटिकल और औषधि' उद्योग के निवल लाभ में, तीव्र गिरावट हुई है। 'लोहा और इस्पात' तथा 'सीमेंट और सीमेंट उत्पाद' उद्योग में दोनों वर्षों में लाभ कम हो गया है जबकि 'सूती वस्त्र' एवं 'रसायन एवं रसायन उत्पाद' उद्योगों में चालू वर्ष में निवल लाभ में कमी आ गई है।

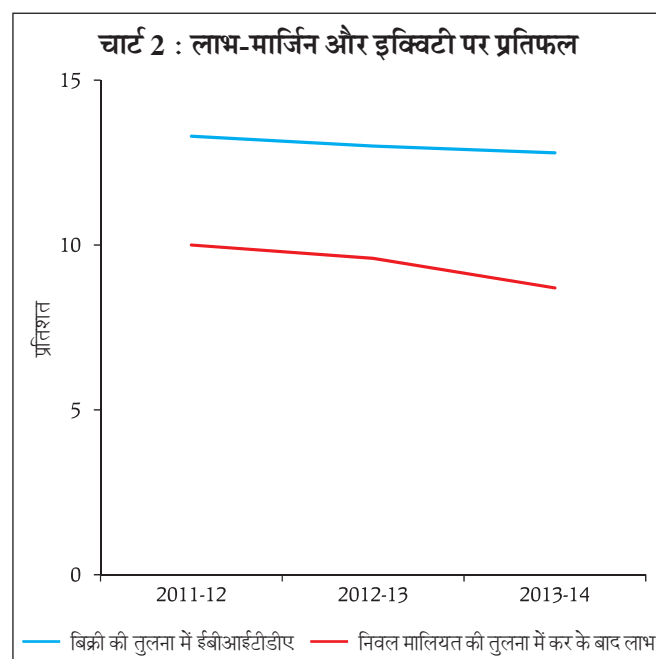
1.6 सेवा क्षेत्र में, 2013-14 में 'भू-संपदा' उद्योग की कंपनियों की सकल बिक्री तथा लाभ कम हुए हैं। वर्ष 2013-14 में 'परिवहन उद्योग' के लाभ में तीव्र गिरावट हुई है। इसके विपरीत, 'दूरसंचार' तथा 'कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियों' के उद्योगों में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2013-14 में लाभ में अधिक वृद्धि हुई है।

2. अधिकांश खंडों में लाभ-मार्जिन तथा इक्विटी पर प्रतिफल कम हो गया है

2.1 चुनिंदा सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन या ईबीआईटीडीए (बिक्री के प्रतिशत के रूप में ईबीआईटीडीए वर्ष 2012-13 के 13.0 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2013-14 में 12.8 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार इक्विटी पर प्रतिफल निवल मालियत के प्रतिशत के रूप में) भी घट गया है (चार्ट 2)।

2.2 सभी प्रकार के बिक्री-आकार समूह के लाभ मार्जिन में कमी पाई गई है, केवल भारी बिक्री-आकार के समूह को छोड़कर जिनका पिछले दो वर्षों में औसत ईबीआईटीडीए मार्जिन 13.5 प्रतिशत दर्ज हुआ है (विवरण 2)। रुपए 1 बिलियन से रुपये 10 बिलियन बिक्री-आकार की कंपनियों की इक्विटी पर प्रतिफल में मामूली सी वृद्धि को छोड़कर अन्य सभी बिक्री-आकार समूहों की कंपनियों की इक्विटी पर प्रतिफल कम हुए हैं।

2.3 'विद्युत, गैस, वाष्प और वातानुकूलन आपूर्ति' क्षेत्र के लाभ-मार्जिन में 2012-13 की तुलना में वर्ष 2013-14 में वृद्धि हुई है, जबकि अन्य क्षेत्रों में कमी आई है। सभी क्षेत्रों में से 'खनन और उत्खनन' क्षेत्र में वर्ष 2013-14 में सर्वाधिक लाभ-मार्जिन दर्ज



किया था किंतु वर्ष 2012-13 के 38.3 प्रतिशत से काफी घटकर 2013-14 में 23.4 प्रतिशत हो गया। मशीन और मोटर वाहन बनाने वाली कंपनियों के लाभ-मार्जिन 2012-13 की तुलना में 2013-14 में बढ़े हैं। विनिर्माण क्षेत्र में 'खाद्यान्न और पेय-पदार्थ' उद्योग में सबसे कम लाभ-मार्जिन दर्ज किया गया (विवरण 2)।

2.4 वर्ष 2013-14 के दौरान, इक्विटी पर सबसे अधिक प्रतिफल सेवा क्षेत्र में था, उसके बाद 'खनन और उत्खन्न' एवं 'विनिर्माण' क्षेत्र में था। अध्ययन अवधि के दौरान 'निर्माण' क्षेत्र में इक्विटी पर प्रतिफल सबसे कम था। विनिर्माण क्षेत्र में 'खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ' उद्योग में पिछले वर्ष की तुलना में हानि दर्ज की गई जो मुख्य रूप से चीनी उद्योग के कारण थी। सेवा क्षेत्र के अंतर्गत 'परिवहन' उद्योग में 2013-14 में कुल मिलाकर हानि दर्ज की गई।

3. चुनिंदा कंपनियों की कुल निवल आस्तियों में मामूली वृद्धि हुई

3.1 चुनिंदा कंपनियों की कुल निवल आस्तियों में 2012-13 की तुलना में 2013-14 में मामूली वृद्धि पाई गई (10.1 प्रतिशत से 10.2 प्रतिशत)। छोटे-बिक्री-आकार समूह बढ़े-बिक्री-आकार समूह की कंपनियों की कुल निवल आस्तियां 2013-14 में उच्च दर से बढ़ीं (क्रमशः 10.1 एवं 10.2 प्रतिशत) जबकि 1 बिलियन रुपये से 5 बिलियन रुपये के बिक्री-आकार समूह की कंपनियों में बढ़ने की दर धीमी थी। 5 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये की बिक्री-आकार समूह की कंपनियों की कुल निवल आस्तियों में गिरावट रही (विवरण 1)।

3.2 विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत, सेवा क्षेत्र तथा खनन क्षेत्र की कंपनियों की कुल निवल आस्तियों में 2013-14 में उच्च दर से वृद्धि हुई है, जबकि विनिर्माण, बिजली और निर्माण क्षेत्र की कंपनियों में वृद्धि धीमी थी।

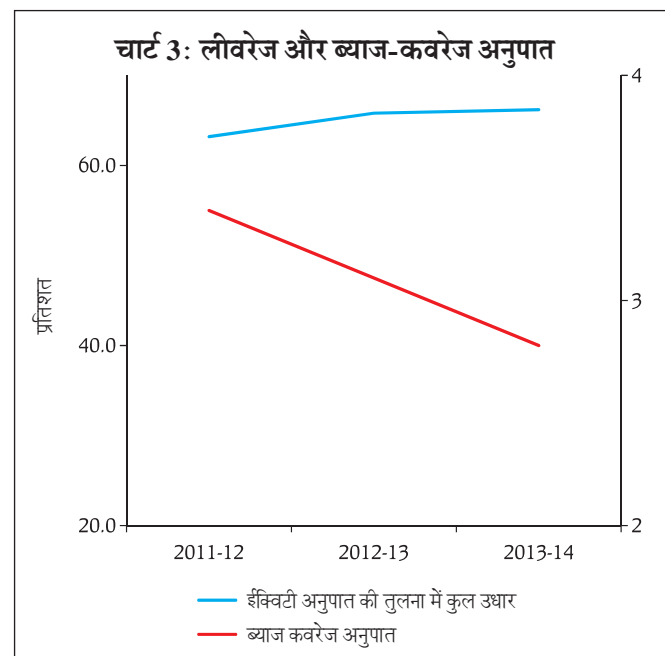
3.3 उद्योग स्तर पर, 'फार्मास्युटिकल और औषधि', 'विद्युत मशीनरी', 'परिवहन', 'दूर-संचार' और 'कंप्यूटर तथा संबंधित गतिविधियां' कंपनियों की निवल आस्तियों में ऊंची दर से वृद्धि हुई। 'खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ', 'सूती-वस्त्र', 'रसायन और रसायन उत्पाद', 'सीमेंट और सीमेंट उत्पाद', 'लोहा और इस्पात', 'मशीनरी और उपकरण', 'मोटर वाहन और परिवहन उपकरण' तथा 'भू-संपदा' उद्योगों की निवल आस्तियों की वृद्धि में गिरावट दर्ज की गई (विवरण 1)।

4. लीवरेज में धीरे-धीरे वृद्धि और ब्याज-कवरेज अनुपात में गिरावट

4.1 यद्यपि चुनिंदा कंपनियों के निवल लाभ में कमी हुई थी किंतु उनकी निवल मालियत में थोड़ा ऊंची दर से वृद्धि हुई है क्योंकि 2013-14 में उनकी शेयर पूंजी में वृद्धि हुई थी।

4.2 हालांकि कुल उधार में वृद्धि थोड़ी घटी थी लेकिन अब भी वह निवल मालियत वृद्धि से अधिक थी। फलस्वरूप, लीवरेज, जिसे इक्विटी (निवल मालियत) के अनुपात में ऋण (दीर्घकालिक उधार) से मापा जाता है, अध्ययन की तीनों वर्ष की अवधि में धीरे-धीरे बढ़ा है। इसकी एक मोटे तौर पर माप अर्थात् इक्विटी की तुलना में कुल उधार का अनुपात भी इसी प्रकार की चाल दर्शाता है और यह अनुपात 2011-12 के 63.2 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 66.2 प्रतिशत हो गया। दूसरी ओर, ब्याज-कवरेज अनुपात (जिसे ब्याज व्यय अनुपात की तुलना में ईबीआईटी से मापा जाता है) जिससे कंपनियों की ऋण चुकाने की शक्ति का पता चलता है, उसमें 2011-12 से लेकर 2013-14 तक गिरावट की प्रवृत्ति रही है (चार्ट 3)।

4.3 रुपये 1 बिलियन से 5 बिलियन रुपये की बिक्री-आकार समूह की कंपनियों में 2013-14 के दौरान अत्यधिक लीवरेज पाया गया और इक्विटी की तुलना में कुल उधार का अनुपात भी 2011-12 के 75.4 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 79.8 प्रतिशत हो गया। कंपनियां जो 5 से 10 बिलियन रुपये के बिक्री-आकार समूह की थीं उनमें पिछले वर्ष तक लीवरेज बहुत अधिक और चालू वर्ष में उनकी इक्विटी की तुलना में कुल उधार के अनुपात में तीव्र गिरावट पाई



गई। बड़ी बिक्री-आकार समूह (प्रत्येक कंपनी का बिक्री-आकार 10 बिलियन रुपये से अधिक) के लीवरेज में लगातार वृद्धि दर्ज की गई (विवरण 2)।

4.4 क्षेत्र स्तर पर, सेवा क्षेत्र और उसके प्रमुख घटक उद्योगों में इक्विटी अनुपात की तुलना में उधार अपेक्षाकृत कम था, केवल 'परिवहन' उद्योग को छोड़कर जिसका अनुपात 2012-13 में 108.8 प्रतिशत था जो बढ़कर 2013-14 में 119.9 प्रतिशत हो गया। विनिर्माण क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों में इक्विटी अनुपात की तुलना में कुल उधार बढ़ा है जिसका मुख्य कारण 'खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ', 'सूती वस्त्र', और 'लोहा और इस्पात' उद्योग की वजह से था (विवरण 2)।

4.5 ऐसी कंपनियों की संख्या पिछले तीन वर्षों में बढ़ी है जिनका ब्याज-कवरेज अनुपात (ब्याज व्यय की तुलना में ईबीआईटी का अनुपात एक से कम था अर्थात् कंपनियां अपने ऋण को चुकाने में असमर्थ थीं) कम थे। चुनिंदा 4388 कंपनियों में से इन कंपनियों का कुल चुकता-पूंजी में हिस्सा 47.1 प्रतिशत था। वर्ष 2013-14 में कुल उधार में इन कंपनियों का दीर्घकालिक उधार (ऋण) 66.3 प्रतिशत था। इसी प्रकार की प्रवृत्ति हानि उठाने वाली कंपनियों में भी पाई गई थी। यद्यपि, ऐसी कंपनियों की संख्या कम थी जिनका चलनिधि अनुपात कम था अर्थात् चालू आस्ति की तुलना में चालू देयता का प्रतिशत 0.5 से कम था, पिछले कई वर्षों से उनकी संख्या बढ़ने लगी है। ऐसी कंपनियों का कुल उधार की तुलना में दीर्घकालिक उधार में हिस्सा बहुत अधिक था और वर्ष 2013-14 में बढ़कर 76.7 प्रतिशत हो गया था (सारणी 2)।

सारणी 2 : विभिन्न पैरामीटर की कंपनियों के लिए कुल उधार की तुलना में दीर्घकालिक उधार का हिस्सा

(प्रतिशत)

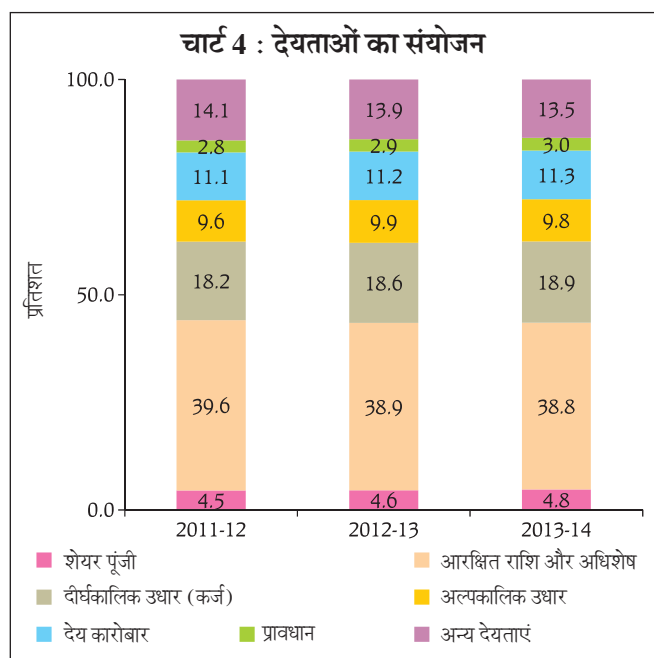
	कंपनियों का हिस्सा	चुकता-पूंजी में हिस्सा	कुल उधार की तुलना में दीर्घकालिक उधार
उन कंपनियों के लिए जिनका आईसीआर < 1 है			
2011-12	28.3	38.4	71.3
2012-13	29.3	39.5	71.4
2013-14	32.1	47.1	66.3
उन कंपनियों के लिए जिनका लाभप्रदता < 0 है			
2011-12	23.6	35.6	70.9
2012-13	24.2	39.0	71.8
2013-14	27.0	43.0	66.2
उन कंपनियों के लिए जिनका चलनिधि अनुपात < 0.5 है			
2011-12	7.7	23.7	79.5
2012-13	7.7	18.2	75.4
2013-14	8.7	27.1	76.7

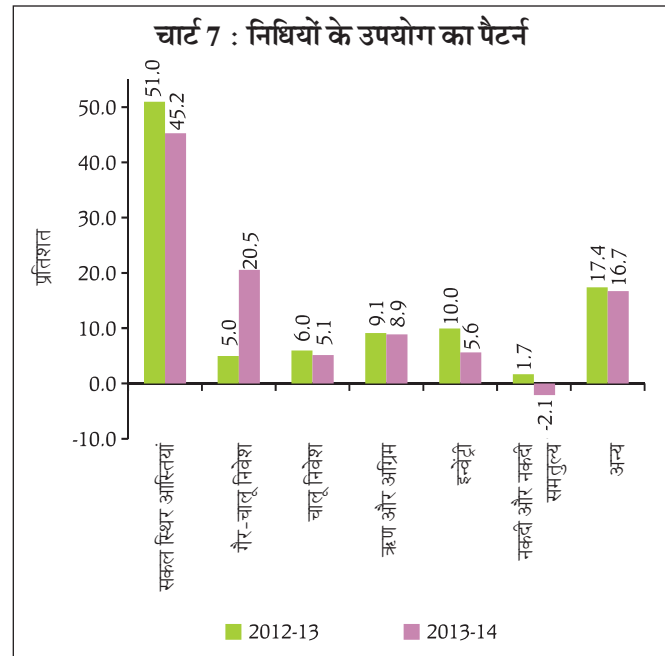
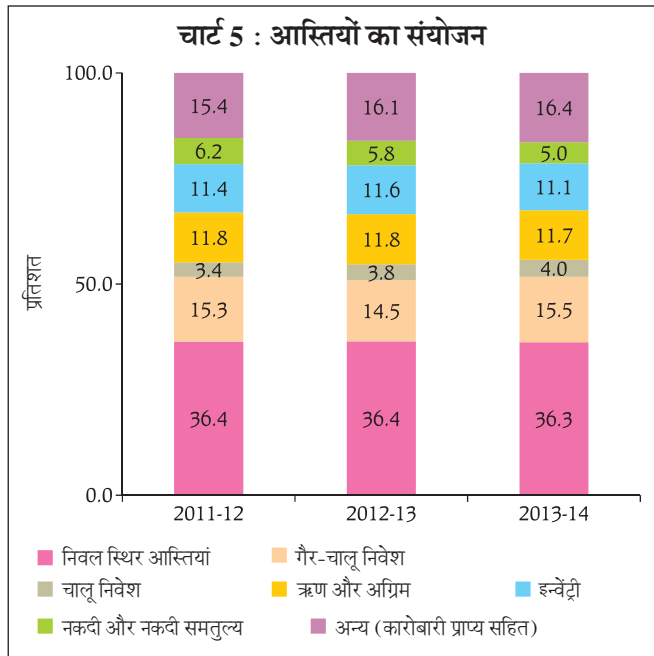
5. बाहरी स्रोतों के माध्यम से जुटाई गई निधि का हिस्सा बढ़ा है

5.1 तीन वर्ष की अवधि अर्थात् 2011-12 से 2013-14 के दौरान, चुनिंदा कंपनियों की देयताओं के घटकों में 'शेयर पूंजी' और 'दीर्घकालिक उधार', के हिस्से में वृद्धि हुई है और 'आरक्षित राशि एवं अधिशेष' के हिस्से में थोड़ी सी कमी आई है (विवरण 3ए और चार्ट 4)। आस्तियों में तीन वर्ष की अवधि के दौरान गैर-चालू निवेश का हिस्सा बढ़ा है जबकि 'नकदी और नकदी समतुल्य' में धीरे-धीरे कमी आती गई है। (विवरण 3बी और चार्ट 5)।

5.2 वर्ष 2013-14 के दौरान जुटाई गई निधियों में, उधार लेने का हिस्सा सबसे बड़ा था लेकिन अल्पकालिक ऋण की तुलना में दीर्घकालिक ऋण को वरीयता दी गई थी। इसके साथ-साथ 'शेयर पूंजी' के माध्यम से जुटाई गई निधि के हिस्से में हुई वृद्धि से बाहरी स्रोतों (अर्थात् स्वामित्व से इतर कंपनियों से)से जुटाई गई निधि का हिस्सा बढ़ गया था। आंतरिक स्रोतों में प्रावधानों का हिस्सा (मूल्यहास प्रावधान सहित) घट गया था (विवरण 4 ए, चार्ट 6)।

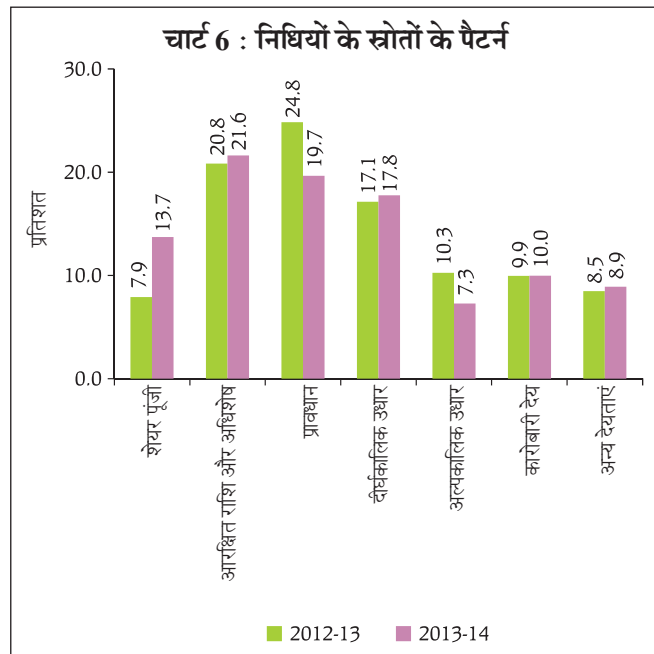
5.3 निधियों के उपयोग में सकल स्थिर आस्ति-निर्माण का हिस्सा 2013-14 में घट गया क्योंकि मूर्त आस्तियों में निवेश कम था (अर्थात् जो 2012-13 में 41.9 प्रतिशत था जिसकी तुलना में 2013-14 में वह घटकर 32.1 प्रतिशत हो गया)। गैर-चालू





निवेश में रखी गई निधि के हिस्से में तेजी से वृद्धि हुई जो 2012-13 में 5.0 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 20.5 प्रतिशत हो गई। लेकिन, वर्ष 2013-14 में चालू निवेश और ऋण एवं अग्रिमों

के हिस्से में गिरावट आ गई थी। 'नकदी और नकदी समतुल्य' के अंतर्गत रखी गई अप्रयुक्त निधि में से धन निकाला गया (पिछले वर्ष इसका शेयर 1.7 प्रतिशत था) (विवरण 4बी, चार्ट 7)।



6. निष्कर्ष

वर्ष 2013-14 में एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के सकल परिणामों से पता चलता है कि विकास दर के प्रमुख पैरामीटरों में धीमापन था जिससे आर्थिक गतिविधियां मंद बनी रहीं। 2012-13 की तुलना में 2013-14 में ईबीआईटीडीए में वृद्धि कम हुई और वर्ष 2013-14 में निवल लाभ भी घट गया था। किंतु चुनिंदा कंपनियों की निवल मालियत उनकी शेयर पूंजी के नये निर्गमों की वजह से ऊंची दर से बढ़ गई थीं। अध्ययन अवधि के दौरान चुनिंदा कंपनियों के लीवरेज अनुपात लगातार बढ़ते रहे जबकि ब्याज-कवरेज अनुपात में कमी हुई थी। आस्तियों के निर्माण के लिए उपयोग किए गए धन का हिस्सा कम था जबकि गैर-चालू निवेश के लिए इस्तेमाल किया गया हिस्सा पिछले वर्ष की तुलना में अधिक था।

विवरण 1 : चुनिंदा 4,388 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा पैरामीटरों की वृद्धि दर								
	वृद्धि दर							
	बिक्री		परिचालन व्यय		ईबीआईटीडीए		निवल लाभ (पीएटी)	
	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14
सकल (समस्त कंपनियां)	10.5	7.2	10.5	7.1	7.9	5.3	4.5	-1.1
बिक्री-वार								
1 बिलियन रुपये से कम	-10.7	-12.6	-10.3	-10.4	-19.6	-24.3	#	#
1 बिलियन रुपये से 5 बिलियन रुपये	4.3	2.2	4.4	5.5	-4.2	-21.5	-36.3	-97.4
5 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये	7.2	4.2	6.0	3.3	16.3	1.2	-8.9	9.3
10 बिलियन रुपये और उससे अधिक	12.3	8.5	12.5	8.1	9.0	8.4	8.5	3.3
उद्योगवार								
खनन और उत्खनन	25.7	75.6	6.6	118.5	81.4	7.3	147.7	18.5
विनिर्माण	9.8	5.0	10.3	4.8	3.7	2.8	2.0	-7.9
खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ	13.6	5.3	12.9	7.6	14.8	-17.9	6.2	-135.3
सूती वस्त्र	8.9	7.1	6.4	7.4	29.3	7.0	63.5	-15.9
रसायन और रसायन उत्पाद	8.3	8.9	8.5	9.2	0.4	5.1	10.7	-10.7
फार्मास्युटिकल्स और औषधि	13.6	12.8	13.1	12.2	12.2	17.1	51.4	2.4
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	10.1	-0.1	12.6	3.8	6.8	-23.5	-4.7	-37.5
लोहा और इस्पात	10.0	6.7	10.9	5.5	4.1	7.1	-25.0	-21.1
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	9.2	1.6	8.2	1.9	4.6	3.2	1.3	7.0
विद्युत मशीनरी और उपस्कर	3.1	3.4	6.7	1.7	-22.3	6.1	-75.0	136.8
मोटर वाहन और परिवहन उपकरण	3.3	-3.2	3.7	-3.3	-6.6	-1.7	-13.3	0.8
बिजली, गैस, वाष्प और वातानुकूलन आपूर्ति	19.7	7.8	19.3	4.9	19.0	22.3	-24.1	37.8
निर्माण	-0.3	-0.1	1.3	0.2	-7.4	-11.0	-31.0	-46.6
सेवाएं	16.4	15.5	14.9	16.8	18.1	13.0	14.4	18.7
परिवहन और भंडारण	18.5	-1.5	17.6	4.0	17.8	-28.3	25.2	-200.9
दूर संचार	9.2	9.0	9.0	5.7	9.8	19.3	32.2	125.6
भू-संपदा	8.2	-7.4	-0.6	-0.5	16.4	-10	50.8	-39.2
कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियां	16.0	25.9	15.0	23.3	18.8	33.3	9.5	38.0

: गुणांक ऋणात्मक, शून्य या नगण्य

विवरण 1 : चुनिंदा 4,388 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा पैरामीटरों की वृद्धि दर (समाप्त)						
	वृद्धि दर					
	निवल मालियत		कुल उधार		कुल निवल आस्तियां	
	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14
सकल (समस्त कंपनियां)	8.6	9.9	12.9	10.8	10.1	10.2
बिक्री-वार						
1 बिलियन रुपये से कम	4.4	9.9	6.2	9.5	6.9	10.1
1 बिलियन रुपये से 5 बिलियन रुपये	8.6	2.1	12.4	4.9	10.1	5.2
5 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये	7.2	7.0	9.6	-11.5	7.5	-0.3
10 बिलियन रुपये और उससे अधिक	9.2	11.1	14.1	15.3	10.6	12.2
उद्योगवार						
खनन और उत्खनन	4.9	39.2	9.2	182.5	8.3	78.7
विनिर्माण	9.6	7.7	13.8	9.1	10.4	7.8
खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ	13.2	-2.6	4.1	3.7	10.5	3.9
सूती वस्त्र	6.9	4.6	8.0	4.9	8.9	4.9
रसायन और रसायन उत्पाद	10.7	8.3	14.7	-3.3	11.6	6.7
फार्मास्युटिकल्स और औषधि	12.4	11.2	19.3	14.3	12.2	13.6
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	8.4	4.2	16.2	11.8	10.3	6.4
लोहा और इस्पात	7.6	5.9	22.3	16.9	12.3	11.1
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	11.4	9.6	11.3	10.9	8.7	8.4
विद्युत मशीनरी और उपकरण	0.9	5.9	17.4	8.3	5.4	6.5
मोटर वाहन और परिवहन उपकरण	11.5	8.4	17.1	15.0	9.1	7.6
बिजली, गैस, वाष्प और वातानुकूलन आपूर्ति	6.5	8.7	13.1	8.7	11.0	7.9
निर्माण	10.3	4.4	13.1	9.9	10.2	7.3
सेवाएं	6.8	13.4	10.1	6.0	9.2	12.6
परिवहन और भंडारण	-4.1	-5.1	6.0	8.6	0.5	4.2
दूर संचार	-3.1	11.4	3.9	-1.6	1.8	7.9
भू-संपदा	5.2	2.2	10.0	11.1	7.7	6.7
कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियां	15.7	29.8	5.0	16.0	14.0	28.8

: गुणांक ऋणात्मक, शून्य या नगण्य

विवरण 2 : चुनिंदा 4,388 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा पैरामीटरों के अनुपात									
	अनुपात								
	बिक्री की तुलना में ईबीआईटीडीए			निवल मालियत की तुलना में कर के बाद में लाभ (पैट)			इक्विटी की तुलना में कुल उधार		
	2011-12	2012-13	2013-14	2011-12	2012-13	2013-14	2011-12	2012-13	2013-14
सकल (समस्त कंपनियां)	13.3	13.0	12.8	10.0	9.6	8.7	63.2	65.8	66.2
बिक्री-वार									
1 बिलियन रुपये से कम	10.0	9.0	7.8	-0.2	-1.5	-2.9	62.6	63.7	63.4
1 बिलियन रुपये से 5 बिलियन रुपये	11.2	10.3	7.9	6.6	3.9	0.1	75.4	78.1	79.8
5 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये	10.8	11.7	11.3	4.2	3.6	3.7	93.3	95.4	78.6
10 बिलियन रुपये और उससे अधिक	13.9	13.5	13.5	11.9	11.8	11.0	58.8	61.6	63.8
उद्योगवार									
खनन और उत्खनन	26.5	38.3	23.4	4.9	11.5	9.8	24.9	25.9	52.5
विनिर्माण	11.8	11.2	10.9	11.6	10.8	9.2	65.6	68.2	69.0
खाद्यान्न उत्पाद और पेय-पदार्थ	8.4	8.5	6.7	10.4	9.7	-3.5	116.3	106.8	114.0
सूती वस्त्र	9.3	11.1	11.1	3.3	5.0	4.0	126.1	127.5	127.9
रसायन और रसायन उत्पाद	12.8	11.8	11.4	18.1	18.1	14.9	64.6	67.0	59.8
फार्मास्युटिकल्स और औषधि	19.2	19.0	19.7	10.5	14.1	13.0	37.2	39.4	40.5
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	20.0	19.4	14.8	12.7	11.2	6.7	61.9	66.4	71.3
लोहा और इस्पात	16.7	15.8	15.9	9.4	6.5	4.9	99.5	113.1	124.8
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	10.8	10.3	10.5	16.7	15.3	14.8	28.5	28.7	28.7
विद्युत मशीनरी और उपस्कर	9.2	6.9	7.1	10.5	2.6	5.8	46.5	54.2	55.4
मोटर वाहन और परिवहन उपकरण	10.4	9.4	9.6	15.8	12.3	11.4	45.7	48.0	51.0
बिजली, गैस, वाष्प और वातानुकूलन आपूर्ति	19.6	19.5	22.1	4.6	3.3	4.2	97.9	103.6	103.9
निर्माण	14.1	13.1	11.7	8.2	5.1	2.6	82.2	84.3	88.7
सेवाएं	18.5	18.8	18.4	8.9	9.6	10.0	49.2	50.8	47.3
परिवहन और भंडारण	16.2	16.1	11.7	3.6	4.9	-5.0	94.7	108.8	119.9
दूर संचार	24.2	24.4	26.7	1.8	2.5	5.0	60.8	65.2	57.6
भू-संपदा	23.5	25.3	24.6	3.6	5.2	3.1	46.7	48.8	53.1
कंप्यूटर और संबद्ध गतिविधियां	24.6	25.2	26.7	22.3	20.9	22.4	20.9	18.8	16.9

विवरण 3 : चुनिंदा 4,388 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों की देयता और आस्तियों का संयोजन			
(प्रतिशत)			
ए. देयताओं का संयोजन			
पूंजी और देयताएं	2011-12	2012-13	2013-14
1. शेर धारकों की निधि	44.2	43.5	43.6
जिसमें से, (i) शेयर पूंजी	4.5	4.6	4.8
(ii) आरक्षित और अधिशेष	39.6	38.9	38.8
जिसमें से, पूंजी आरक्षित	14.6	14.0	14.0
2. दीर्घकालिक उधार (कर्ज)	18.2	18.6	18.9
जिसमें से, (i) बांड/डिबेंचर्स	1.8	1.8	1.8
(ii) बैंकों से मीयादी ऋण	10.7	10.9	11.0
3. अल्पकालिक उधार	9.6	9.9	9.8
जिसमें से, बैंकों से	2.9	2.8	2.6
4. कारोबारी देय	11.1	11.2	11.3
5. प्रावधान	2.8	2.9	3.0
6. अन्य देयताएं	14.0	13.8	13.5
(i) गैर-चालू	3.6	3.3	3.1
(ii) चालू	10.5	10.4	10.4
जिसमें से, दीर्घकालिक कर्ज की परिपक्वता	3.6	3.5	3.2
7. कुल	100.0	100.0	100.0
बी. आस्तियों का संयोजन			
आस्तियां	2011-12	2012-13	2013-14
1. सकल स्थिर आस्तियां	52.5	53.6	53.7
(i) मूर्त आस्तियां	40.8	42.0	41.7
(ii) प्रगति पर पूंजीगत कार्य	6.0	6.0	6.1
(iii) अमूर्त आस्तियां	4.7	4.9	5.1
2. मूल्यहास (i) मूर्त	14.4	15.3	15.6
(ii) अमूर्त	1.7	1.9	1.9
3. निवल स्थिर आस्तियां	36.4	36.4	36.3
4. गैर-चालू निवेश	15.3	14.5	15.5
5. चालू निवेश	3.4	3.8	4.0
6. ऋण और अग्रिम	11.8	11.8	11.7
जिसमें से, संबंधित पार्टियों को	4.3	4.3	4.2
7. इन्वेट्री	11.4	11.6	11.1
8. कारोबारी प्राप्य	11.0	11.1	10.9
9. नकदी और नकदी समतुल्य	6.2	5.8	5.0
10. अन्य आस्तियां	4.5	5.0	5.5
(i) गैर-चालू	1.9	2.0	2.3
(ii) चालू	2.6	3.0	3.2
11. कुल	100.0	100.0	100.0

विवरण 4 : चुनिंदा 4,388 एनजीएनएफ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों की निधियों के स्रोतों का संयोजन और उनका उपयोग (प्रतिशत)		
ए. वर्ष के दौरान निधियों के स्रोतों का संयोजन		
	2012-13	2013-14
आंतरिक स्रोत (स्वयं के स्रोत)	46.3	42.4
1. चुकता पूंजी	0.6	1.1
2. आरक्षित और अधिशेष	20.8	21.6
3. प्रावधान	24.8	19.7
<i>जिसमें से, मूल्यहास</i>	22.1	16.6
बाह्य स्रोत (स्वयं से इतर स्रोत)	53.7	57.6
4. शेयर पूंजी और प्रिमियम	7.9	13.7
<i>जिसमें से, निवल निर्गम</i>	3.2	4.4
5. दीर्घकालिक उधार	17.1	17.8
<i>जिसमें से, (i) बांड/डिबेंचर्स</i>	1.2	1.2
(ii) बैंकों से	10.2	9.3
6. अल्पकालिक उधार	10.3	7.3
<i>जिसमें से, बैंकों से</i>	0.7	1.1
7. कारोबारी देय	9.9	10.0
8. अन्य देयताएं	8.5	8.9
(i) गैर-चालू	0.8	0.8
(ii) चालू	7.7	8.1
<i>जिसमें से, दीर्घकालिक कर्ज की परिपक्वता</i>	2.2	0.0
9. कुल	100.0	100.0
बी. वर्ष के दौरान निधियों के उपयोग का संयोजन		
	2012-13	2013-14
1. सकल स्थिर आस्तियां	51.0	45.2
(i) मूर्त आस्तियां	41.9	32.1
<i>जिसमें से, संयंत्र और मशीनरी</i>	28.6	22.4
(ii) प्रगति पर पूंजीगत कार्य	4.7	5.9
(iii) अमूर्त आस्तियां	4.4	7.2
2. गैर-चालू निवेश	5.0	20.5
3. चालू निवेश	6.0	5.1
4. ऋण और अग्रिम	9.1	8.9
5. इन्वेंट्री	10.0	5.6
6. कारोबारी प्राप्य	9.6	7.3
7. नकदी और नकदी समतुल्य	1.7	-2.1
8. अन्य आस्तियां	7.7	9.4
(i) गैर-चालू	2.3	4.9
(ii) चालू	5.5	4.5
9. कुल	100.0	100.0